|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 25. Juli | | | |
| **Fest des heiligen Apostels Jakobus** | | | |
| Lesung: 2 Kor 4,7-15; Evangelium: Mt 20,20-28 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 546, 1-4 | | Christus, du Licht vom wahren Licht |
|  | GL 461, 1+2 | | Mir nach, spricht Christus |
|  | GL 400, 1+2 | | Ich lobe meinen Gott |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 163, 7 | | Herr Jesus |
|  |  | |  |
| Gloria: | GL 169, 1+2 | | Gloria. Ehre sei Gott |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 126, 1-6 | |  |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 443 | | Im Jubel ernten |
|  | oder | |  |
|  | GL 457, 1-3 | | Suchen und fragen |
|  | GL 349 | | Geist der Zuversicht |
|  | GL 481, 1+5! | | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *So spricht der Herr:* | | |
|  | *Ich habe euch erwählt und dazu bestimmt,* | | |
|  | *dass ihr reiche Frucht bringt und dass eure Frucht bleibt.* | | |
|  |  | | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 281, 3+4 | Ich bin euer Weg geworden | |
|  | GL 460, 1+3+5 | Wer leben will | |
|  | GL 275 | Selig, wem Christus | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 199 | Heilig | |
|  |  |  | |
| Agnus Dei: | GL 202 | O du Lamm Gottes | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 487, 1-5 | Nun singe Lob | |
|  | GL 380, 1+4 | Großer Gott | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 542, 1+4 | Ihr Freunde Gottes | |